शोध प्रारूप

नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन

पीएच०डी० उपाधि हेतु प्रस्तावित शोध प्रारूप

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय

वर्ष : 2023

Dr. U.N. Tiwari 30/08/23
Dr. Hari Oraon
Dr. Mary S. Soreng 30.8.23
Dr. Sabita Keshari 30.8.23
Dr. Kishore Surin 30/08/23
Dr. Ram Kishore Bhagat 30/8/23
Raj Kumar Barkey 30.08.2023

शोध निर्देशक

त्रिवेणी नाथ 30/08/23

प्रो० (डॉ०) त्रिवेणी नाथ साहु
कुलपति, झारखण्ड राज्य खुला
विश्वविद्यालय, राँची (झारखण्ड)

शोधार्थी

Jmahto 30/08/2023

जलेश्वर महतो
यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. उत्तीर्ण
स्नातकोत्तर नागपुरी भाषा विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची (झारखण्ड)

स्नातकोत्तर नागपुरी भाषा विभाग

राँची विश्वविद्यालय, राँची (झारखण्ड)

Scanned with OKEN Scanner

"नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन"

शोध प्रारूप

भूमिका:

झारखण्ड प्रदेश में आदि काल से ही अनेक जनजातियों एवं गैर जनजातियों का वासस्थल रहा है। जिनकी भाषा एवं संस्कृति उच्चत्तर मानववादी गुणों से सुसम्पन्न रही है। भाषा के माध्यम से किसी भी जाति, देश, काल, वातावरण आदि का सहजता से ज्ञात किया जा सकता है। भाषा के माध्यम से अपने अंतरंग की अनुभूति अभिव्यक्त कराने वाली ललित कला साहित्य कहलाती हैं।

किसी भी साहित्य के प्राथमिक विकास के परिप्रेक्ष्य में उसके लोक साहित्य की अहम् भूमिका होती है। लोकवाणी के लोक साहित्यकार तो अज्ञात होते ही हैं। शिष्ट साहित्य का उद्भव काल बोली और भाषा के संघर्ष का काल होता है। किन्तु मनोहर महान्ती का स्थान लोक कलाकार की सूची में आते हैं। यूँ तो नागपुरी साहित्य का आधुनिक काल के प्रेणता प्रफूल्ल कुमार राय को मना जाता है।

झारखण्ड प्रदेश में नागपुरी भाषा का अपना एक विशिष्ट एवं गौरवपूर्ण स्थान है। नागपुरी भाषा आज से हजारो वर्ष पूर्व की भाषा रही है। नागवंशी शासन काल में नागपुरी राज घरानों में राज भाषा, मातृभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में स्थापित रही है। आज वर्त्तमान दौर में नागपुरी भाषा अपने साहित्यिक मानदण्डों को स्थापित करते हुए विकास के अंतिम सोपांन में खड़ी है। इस भाषा को सुसम्पन्न बनाने में कितने ही झारखण्ड भूमि के कवि, कलाकार, साहित्यकार आदि का अतुल्य योगदान रहा। इसी क्रम में मनोहर महान्ती का स्थान नागपुरी साहित्य जगत में श्रेष्ठतम् एवं अन्यतम् रहा है।

किसी भी साहित्य के विकास में लोक साहित्य की अहम भूमिका रहती है। जो कि नागपुरी भाषा में अत्यंत ही समृद्ध है। ऐसा माना जाता

Scanned with OKEN Scanner

है कि जिस साहित्य का लोक पक्ष जितना व्यापक होतो है उसका शिष्ट पक्ष उतना ही मजबूत होता है।

शिष्ट साहित्य की यह परम्परा नागपुरी भाषा साहित्य में वर्षों से चली आ रही है। वर्त्तमान में भी साहित्य लेखन की परम्परा गतिमान अवस्था में प्रवाहित हो रही है। जिस प्रकार नागपुरी भाषा के कलाकार, साहित्यकारों में यहाँ की जनजीवन का जो चित्रण किया है वह ज्ञान वर्धक के साथ समाज हितैषी भी है। क्योंकि साहित्य में हित की भावना निहित रहती है।

नागपुरी जगत में कितने ही अमर विभूतियों ने सींच कर इसको शिशु से युवावस्था में लाके खड़ा किए हैं। इन्ही विभूतियों की श्रेणी में मनोहर महान्ती का अग्रणीय योगदान है। मनोहर महान्ती नागपुरी भाषा साहित्य के गीतकार, कलाकार, कविकार एवं साहित्यकार के रूप में जाने जाते हैं। गीतकार एवं कलाकार समय एवं परिस्थिति की उपज होते हैं। इनका कोई गुरू हो या न हो, वन पर्वतों के झुरमुट से प्रवाहित होने वाला निर्मल झरना की तरह अनायास ये फूट पड़ते हैं। छोटानागपुर की धरती पर असंख्य गीतकार उत्पन्न होते रहे हैं। जिनकी रचनाओं को देखकर आश्चर्य चकित हो जाना पड़ता है। आज इन महान कलाकारों के बारे भले ही लोगों को विशेष जानकारी न हो, इनकी रचनाएं हर दिल में मान्दर की गूँज की तरह गूँज रही हैं। छोटानागपुर का वन प्रदेश उनके दिलों की सुरीली आवाज से आज भी गूँजता रहता है।

मनोहर महान्ती विलक्षण प्रतिभा के धनी, साहित्य के गद्य एवं पद्य दोनों विधाओं में आपकी पकड़ गहरी है। मनोहर महान्ती का नागपुरी भाषा के प्रति राधा कृष्ण के प्रेम के भाँति पवित्र है।

अब तक कवियों का योगदान सुविधा के लिए " पीटर शांति नवरंगी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व", "प्रफुल्ल कुमार राय एक मूल्यांकन", "डॉ० भुनेश्वर 'अनुज' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व", "विसेश्वर प्रसार केशरी : व्यकित्व एवं कृतित्व", "सहनी उपेन्द्र पाल सिंह 'नहन' व्यक्तित्व एवं कृतित्व", "गिरिराज व्यक्तित्व एवं कृतित्व", "धनीराम बक्शी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व", "नागपुरी कवि घासीराम व्यक्तित्व एवं कृतित्व", "शारदा प्रसाद शर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व" आदि पर शोध कार्य हुए हैं। इन समकालिन कवियों में एक महत्वपूर्ण नाम मनोहर महान्ती का आता है।

Scanned with OKEN Scanner

"नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन" शोध विषय साहित्यिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। साथ ही वर्त्तमान समय में साहित्य लेखन की परम्परा एवं समाज में विद्यमान तनाव एवं निराशा के भाव को मिटा कर एक कुशल समाज का गठन करेगी तथा आने वाले नए साहित्यकारों के प्रति, भाषा के प्रति आकर्षण बढ़ेगा।

नागपुरी भाषा साहित्य के अध्येता एवं कलाकार होने के नाते मैं समझता हूँ कि "नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन" अति महत्वपूर्ण एवं समृद्ध है। साहित्यकारों के बिखरे रूप के संकलन के कार्य पूर्व में हुए हैं और वर्त्तमान दौर में भी हो रहे हैं परन्तु मनोहर महान्ती के रचनाओं के समग्र प्रस्तुति नागपुरी साहित्य में उपलब्ध नहीं है। मेरे इस शोध कार्य से मनोहर महान्ती के बिखरे हुए साहित्य के गद्य, पद्य विधाओं का संकलन हो सकेगा। इसके अलावा मनोहर महान्ती की नागपुरी भाषा के प्रति निष्ठा, तन्मयता और लगन से अपना पूरा जीवन नागपुरी भाषा को समर्पित कर दिए है। यह कोई साधारण व्यक्ति के वश की बात नहीं है। अपनी प्रगाढ़ और कल्पना शक्ति के स्वरूप कवि मनोहर महान्ती असाधारण व्यक्तित्व के धनी बने हुए हैं। इनके गीतों के विलक्षण शक्ति को देखकर मैं मोहित हुआ जो कि नागपुरी भाषा साहित्य के प्रति सूर्य की भाँति अपनी आशा से मानस पटल पर मुखरित हो रही है। जिस कारण नागपुरी साहित्य दिन – प्रतिदिन अपने विकास मार्ग पर विविध आयामों को संजो कर हिमालय की भाँति उच्च एवं श्रेष्ठ सिद्ध हो रंहा है।

वर्त्तमान परिदृश्य में यह शोध विषय "नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन" का व्यापक महत्व प्रतित होता है। नागपुरी भाषा एवं साहित्यकारों से जो विशिष्टता और श्रेष्ठता प्राप्त हो रही है, उसे जान सकेंगे। कवियों के तुलनात्मक अध्ययन कर उनकी महत्ता का मूल्यांकन कर सकेंगे। साथ ही प्राचीन तथा अप्रार्चिन नागपुरी भाषा साहित्य को समझने में इसे सहायता मिल सकती है। यह शोध कार्य जीवन जीने की कला का मापदण्ड तैयार करने में सार्थक सिद्ध होगी।

Scanned with OKEN Scanner

व्यक्ति का इस संसार में किसी विशेष प्रयोजन हेतु आगमन होता है। कोई उद्धारक के रूप में, कोई सुधारक के रूप में, कोई पथ प्रदर्शक के रूप में तो कोई साहित्यकार या कलाकार के रूप में अपतरित होता है। अपने उद्देश्य की प्राप्ति एवं लक्ष्य तक पहुँचने के लिए वह जीवन पर्यन्त कई विध्न – बाधाओं से संघर्ष करते हुए जीवन–पथ में अग्रेतर होते जाता है। सफलता, विफलता, सामाजिक उलाहनाओं, व्यवधानों एवं प्राकृतिक आपदाओं के थपेड़ों से जूझते वह काल के गाल में समा जाता है। भले ही कोई उनकी प्रशंसा करे या निंदा, इसकी उसे प्रवाह नहीं होती। मनोहर महान्ती का जन्म भी शायद नागपुरी सेवक एवं समाज सुधारक के रूप में हुआ है। अगर धनीराम बक्शी, पीटर शांति नवरंगी, योगेन्द्रनाथ तिवारी, प्रफुल्ल कुमार राय ने नागपुरी को एक नई दिशा दी है तो वहीं मनोहर महान्ती ने नागपुरी को गति प्रदान किया है।

परिकल्पना:—

"नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन" नागपुरी साहित्य में अनेकानेक कवि कलाकार हुए और उनके ज्ञान की ज्योति समाज में एक नयी क्रांति के साथ संचारित हुआ। इस शोध के माध्यम से ऐतेहासिक तथ्यों को समाहित कर एक मापदण्ड तैयार किया जाएगा। लेखक के भाव पक्ष एवं कला पक्ष को समझा जाएगा। साहित्य के विभिन्न आयामों को उसके साहित्यिक दृष्टि से निर्धारण किया जाएगा। भविष्य में कवि, कलाकार एवं साहित्यकारों के प्रति श्रद्धा का भाव रखना एवं साहित्य के सृजन मे नये आयाम को प्राप्त करना।

Scanned with OKEN Scanner

प्रेरणाः—

"नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन" से सम्बंधित शोध करने की प्रेरणा मुझे स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त करने के साथ ही मिली। नागपुरी मातृ भाषा होने के कारण ये सरल, सहज, सुरस एवं मधुर है। इसके गीतों में माधुर्यता के साथ सूर, राग, ताल, नृत्य बेजोड़ है। मनोहर महान्ती एक कुशल गीतकार भी हैं जिस कारण मुझे प्रतित हुआ कि मनोहर महान्ती की गीत, कविता, कहानी आदि विभिन्न विधाओं को प्रस्तुत करना मेरी जिम्मेवारी एवं कर्तव्य है। अतः मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि मनोहर महान्ती की जीवन एवं साहित्य पर गहन शोध करना सामाज हित के लिए कारगर साबित होगा।

विषय की मौलिकताः—

प्रस्तुत शोध कार्य मनोहर महान्ती के जीवन पर केन्द्रित है। मनोहर महान्ती का नागपुरी साहित्य में इनके गुणों का बखान आशा अनुरूप नहीं हो पाया है। अप्रकाशित रचनाएँ बाधक बनी हुई है। "नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन" शोध कार्य संभव हो पाया तो इनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व में इनके भाव धारा प्रकट होगा। अतः प्रस्तावित शोध कार्य अपनी मौलिक अमीट होगी, ऐसा मेरा विचार है।

शोध विधिः—

किसी भी शोध कार्य की विधि वैज्ञानिक होती है। यह वास्तविक तथ्यों पर आधारित यथार्थ व निश्चित निष्कर्ष पर होता है। इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि शोध कार्य बुनयादी शर्त अध्ययन विषय से सम्बंधित वास्तविक तथ्यों की संकलन है। वास्तविक तथ्यों को काल्पनिक ढंग से

Scanned with OKEN Scanner

एकत्रित नहीं कि जा सकता है। इसके लिए तो कुछ प्रमाण सिद्ध तरीका का होना आवश्यक है। चूंकि चयनित विषय ''नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन'' जो कि जीवन परक शोध कार्य है। इसमें इनके व्यक्तिगत जीवन से सम्बंधित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक जीवन के विभिन्न पहलुओं को विश्लेषण करना है। इसके कारण वास्तविक शोध कार्य को तर्कसंगत पूर्ण करने के लिए कुछ शोध विधि एवं प्रविधि का आधार विश्वनीय तथा सूचनाएँ, आँकड़ों आदि को एकत्र करने एवं उसे प्रस्तुत करने की कुछ विधियाँ हैं। जैसेः–

1. ऐतिहासिक विधि
2. वर्णात्मक विधि
3. तुलनात्मक विधि
4. विश्लेषणात्मक विधि
5. आलोचनात्मक विधि
6. प्रश्नावली
7. साक्षात्कार विधि

शोध उपकरणः–

प्रस्तावित शोध विषय ''नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन'' के लिए निम्नलिखित सामग्री शोध कार्य के लिए उपयोग किए जा सकते हैं :–

1. शोध से सम्बंधित पुस्तकों, प्रकाशित रचनाएँ, संदर्भ ग्रंथ हेतु पुस्तकें।
2. पत्र–पत्रिकाएँ– गोतिया, जोहार, आदिवासी, नागपुरी, जय झारखण्ड, आदिवासी सकम, झारखण्ड समाचार, शंखनाद, पझरा, कला संगम, जोहार सहिया, अखड़ा आदि।
3. टेप रिकॉर्डर (साक्षात्कार, सभा के लिए जरूरी)
4. कैमरा (आवश्यक चित्रों को एकत्रित करने, फोटो खींचने एवं विडियो वगैरह तैयार करने के लिए आवश्यक)
5. मोबाईल
6. कम्प्युटर
7. इंटरनेट

Scanned with OKEN Scanner

8. प्रिंटर
9. नक्शा पेपर, कलम, पेंसिल आदि।

शोध का क्षेत्रः—

प्रस्तावित शोध कार्य नागपुरी के मूर्धन्य कवि एवं कलाकार मनोहर महान्ती के जीवन पर केंद्रित है। अतः इस शोध कार्य का क्षेत्र यानि विषय सीमा इनके जीवन द्वारा रचित साहित्यिक, सामाजिक एवं कलाकारी गुणों तक सीमित होगी।

उद्देश्यः—

1. नागपुरी भाषा के प्रति कलाकारों के भावों को प्रस्तुत करना।
2. गीतकार, कविकार, साहित्यकार आदि संबंधों में तालमेल स्थापित करना।
3. नागपुरी भाषा साहित्य के कला पक्ष को पस्तुत करना।
4. नागपुरी भाषा साहित्य के भाव पक्ष को प्रस्तुत करना।
5. काव्य रचना की मौलिकता को प्रस्तुत करना।
6. नागपुरी काव्य के सुदीर्घ और समृद्ध परम्परा वैभव को प्रकाश में लाना।

महत्वः—

कोई भी शोध कार्य का महत्व व्यक्तिगत से कहीं ज्यादा सामाजिक एवं शिक्षा जगत में होनी चाहिए तभी उस शोध का अस्तित्व बना रहता है। ऐसे में नागपुरी के एक पुरोधा मनोहर महान्ती के अन्दर छिपी साहित्यिक एवं कलाकारी भाव को समाज के सामने प्रकट करने से नागपुरी समाज में इनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व हम युवा के लिए प्रेरणा दायक हो सकता है। साथ ही शिक्षा जगत में इसके कृतित्व का विश्लेषण

Scanned with OKEN Scanner

होने से इनके साहित्य के अन्दर अवतरित भावधारा नागपुरी भाषा साहित्य को एक उँचाई तक ले जा सकती है।

इस तरह वर्त्तमान परिपेक्ष में इस शोध विषयक का व्यापक महत्त्व प्रतीत होती है। नागपुरी भाषा, भाषी और इस भाषा के इन साहित्यकारों से इतर अन्य लोग भी नागपुरी साहित्य की विलासिता विशिष्टता और इसकी श्रेष्ठता को जान सकेंगे तथा हम साहित्यकारों की तुलनात्मक अध्ययन का, इसकी महत्ता का मूल्यांकन कर सकेंगे। यह शोध कार्य शोध प्रबंध के रूप में जीने की कला और संस्कृति की महत्ता के आकलन का एक मानदंड तैयार करेगा।

शोध का समाज में प्रभावः—

साहित्य लेखन भाषा के प्रति समर्पण और समाज के प्रति सहृदयता का सम्मिलित रूप है। समाज में नागपुरी साहित्यकारों की स्थिति सुख—दुख, हर्ष—विषाद आदि भावों का तर्क संगत प्रस्तुतिकरण हो सकेगा। रंगमंच, लोक मंच, साहित्य मंच आदि सामाजिक क्रिया—कलापों का नये सिरे से गठन हो सकेगा। नये पीढ़ी के लोगो में भाषा एवं साहित्य के प्रति उत्साह जगेगी। आने वाले समय में मनोहर महान्ती जैसा साहित्यकार, कवि, गीतकार से प्रेरित होकर इनके जैसा साहित्यकार, कवि, गीतकार बनने के लिए अथक प्रयास करेंगे जिससे नागपुरी साहित्य का विकास में इन सभी का योगदान अहम हो पायगी जिससे लोगें में इनके प्रति प्रेम श्रद्धा की भावना जागृत होती रहेगी और लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने रहेंगे जिससे समाज के लोगों में जागृति आयेगी और समाज उत्थान की ओर निरन्तर अग्रेतर रहेगी।

Scanned with OKEN Scanner

प्रस्तुत शोध कार्य की रूपरेखा निम्नवत है:-

"नागपुरी साहित्यकार मनोहर महान्ती, जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन"

(अध्यायीकरण)

प्रस्तावना:

1. शोध के लिए प्रेरणा एवं औचित्य।
2. शोध की विषय सीमा।
3. शोध विधि।
4. विषय से सम्बंधित पूर्व में किए गए शोध कार्यों का विवरण।
5. चयनित शोध कार्य का विवरण।
6. विषय की नवीनता।

पहला अध्याय : मनोहर महान्ती की जीवन रेखाएँ।

1.1 जन्म एवं परिवार
1.2 पारिवारिक स्थिति
1.3 बाल्यावस्था
1.4 किशोरावस्था
1.5 युवावस्था
1.6 विवाह
1.7 शिक्षा
1.8 सेवा
1.9 नागपुरी भाषा की ओर झुकाव एवं प्रेरणा।

दूसरा अध्याय : मनोहर महान्ती की व्यक्तिक विशेषताएँ।

2.1 वाह्य विशेषताएँ – रंग रूप, आकार, पहनावा।
2.2 आंतरिक विशेषताएँ – स्वाभिमानी, दृढ़निश्चयी, न्यायप्रिय एवं कर्त्तव्य परायन, विनम्र, संग्रह वृत्ति, व्यक्तिवादी दृष्टिकोण, धार्मिक आचरण।

Scanned with OKEN Scanner

तीसरा अध्याय : मनोहर महान्ती की समकालीन परिस्थितियाँ एवं समकालीन रचनाकार।

3.1 प्राकृतिक स्थिति

3.2 सामाजिक स्थिति

3.3 आर्थिक स्थिति

3.4 धार्मिक स्थिति

3.5 सांस्कृतिक स्थिति

3.6 राजनीतिक स्थिति

3.7 साहित्यिक स्थिति

चौथा अध्याय : मनोहर महान्ती की पद्य रचनाओं का अध्ययन।

4.1 गीत

4.2 कविता

पाँचवाँ अध्याय : मनोहर महान्ती की गद्य रचनाओं का अध्ययन।

5.1 उपन्यास

5.2 निबंध

5.3 आत्मकथा

5.4 जीवनी

Scanned with OKEN Scanner

छठा अध्याय : मनोहर महान्ती के रचनाओं में भाव पक्ष, कला पक्ष एवं अन्य विधान।

6.1 भाव पक्षः–

(क) काव्य भाषा

(ख) रस

(ग) कल्पना

(घ) संदेश।

6.2 कला पक्षः–

(क) छंद

(ख) अलंकार

(ग) भाषा शैली

6.3 अन्य विधानः–

(क) काव्य गुण

(ख) बिम्ब विधान

(ग) चित्र विधान

(ध) प्रतिक विधान

सातवाँ अध्याय : नागपुरी साहित्य में मनोहर महान्ती का स्थान/उपलब्धियाँ।

शोध निष्कर्ष :

Scanned with OKEN Scanner

परिशिष्ट :

1. आधार ग्रंथों की सूची
2. सहायक ग्रंथो की सूची
3. पत्र–पत्रिकाओं की सूची
4. साक्षात्कार सूची
5. चित्रावली

नोटः– आवश्यकता पड़ने पर शोध प्रारूप में आंशिक परिवर्तन किए जा सकते हैं।

शोध निर्देशक

त्रिवेणी नाथ साहु 30/08/23

प्रो० (डॉ०) त्रिवेणी नाथ साहु
कुलपति, झारखण्ड राज्य खुला
विश्वविद्यालय, राँची (झारखण्ड)

शोधार्थी

30/08/2023

जलेश्वर महतो
यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ उत्तीर्ण
स्नातकोत्तर नागपुरी भाषा विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची (झारखण्ड)

Scanned with OKEN Scanner

आधार ग्रंथों की सूची

नागपुरी पुस्तकों की सूची:–

क्र० स०	रचनाकार	पुस्तक का नाम	प्रकाशक	वर्ष
1.	केशरी डॉ० सविता	कवि कंचन : जीवन और साहित्य	नागपुरी संस्थान, पिठोरिया, राँची	2015
2.	गोंझू डॉ० गिरिधारी राम	पीटर शांति नवरंगी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	पझरा प्रकाशन, नागपुरी प्रचारिणी सभा, राँची	1990
3.	गोंझू शंकर लाल	गिरिराज व्यक्तित्व एवं कृतित्व	राँची	1985
4.	तिवारी डॉ० उमेश नंद	प्रफुल्ल कुमार राय एक मूल्यांकन	ला०शो०प्रा० राँची	2015
5.	साहु विनेश्वर	उपेंद्र पाल 'नहंन' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	राँची	1992
6.	साहु अनिल कुमार	डॉ० भुनेश्वर अनुज :व्यक्तित्व एवं कृतित्व	राँची	1992
7.	साहु डॉ० अंजु कुमारी	आधुनिक नागपुरी कवि मनक साहित्यिक परिचय	मार्गदर्शन पब्लिकेशन, राँची	2018

Scanned with OKEN Scanner

सहायक ग्रंथों की सूची

क्रम	रचनाकार	पुस्तक का नाम	प्रकाशक	वर्ष
1.	अनुज डॉ० भुवनेश्वर	नागपुरी लोक साहित्य	जय भरती – इलाहाबाद	1992
2.	केशरी डॉ० विसेश्वर प्रसाद	नागपुरी भाषा और साहित्य	नागपुरी संस्थान, पिठोरिया, राँची	1971
3.	केशरी डॉ० विसेश्वर प्रसाद	नगपुरी भाषा उद्गम और विकास	झारखण्ड झरोख–राँची	2006
4.	केशरी डॉ० विसेश्वर प्रसाद	नागपुरी कवि और उनका काव्य	नागपुरी संस्थान, पिठोरिया, राँची	2014
5.	गोस्वामी डॉ० श्रवण कुमार	नागपुरी शिष्ट साहित्य	रिसर्च पब्लिकेशन इन सोशल साइंसेज	1972
6.	गोस्वामी डॉ० श्रवण कुमार	नागपुरी भाषा	विहार परिषद् – पटना	1976
7.	मिश्र शकुन्तला (संपादक)	रस मंजरी	झारखण्ड झरोखा, राँची	2010
8.	मिश्र शकुन्तला एवं तिवारी डॉ० उमेश नन्द	बन केवरा भाग–1	झारखण्ड झरोखा, राँची	2012

Scanned with OKEN Scanner

9.	राय क्षितिज कुमार	नागपुरी ताल	नागपुरी कला संगम	1985
10.	राय क्षितिज कुमार	मन मेंजूर	छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ, राँची	1971
11.	वासंती डॉ० कुमारी	नागपुरी गीतों की छंद रचना	किशोर विद्या निकेतन	2009

पत्र–पत्रिकाओं की सूची:–

क्र० सं०	पत्र–पत्रिकाओं का नाम	अवधि	प्रकाशन स्थल
1.	आदिवासी	सप्ताहिक	राँची
2.	आदिवसी सकम	सप्ताहिक	जमशेदपुर
3.	कला संगम	छमाही	राँची
4.	कोयनार	वार्षिक	रातु, राँची
5.	गोतिया	सप्ताहिक	दुमसा टोली, चुटिया, राँची
6.	छोटानागपुर संदेश	साप्ताहिक	राँची
7.	जय झारखण्ड	त्रैमासिक	डालटेनगंज
8.	जोहार	त्रैमासिक	राँची
9.	झारखण्ड समाचार	सप्ताहिक	राँची
10.	डहर	त्रैमासिक	राँची
11.	तितकी	त्रैमासिक	राँची
12.	पझरा	अनियमित कालीन	राँची
13.	प्रभात खबर	दैनिक	राँची
14.	रांची एक्सप्रेस	दैनिक	राँची
15.	शंखनाद	त्रैमासिक	सिमडेगा

Scanned with OKEN Scanner